Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding excavation of budha stupa built during Kushan Period in Ramgarh, Maharajganj Parliamentary Constituency, Bihar.

श्री पंकज चौधरी (महाराजगंज): महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद ।

महोदय, सबसे पहले तो मैं माननीय पर्यटन व संस्कृति मंत्री जो को धन्यवाद अर्पित करना चाहता हूँ कि आपने महाराजगंज जनपद में स्थित, उपलब्ध महत्वपूर्ण बौद्ध धरोहरों में अपनी अभिरूचि दिखाई है ।

भगवान बुद्ध का जन्म लुम्बिनी में हुआ, जो मेरे संसदीय क्षेत्र से मात्र 50 किलोमीटर की दूरी पर है । भगवान बुद्ध का लालन, पालन और पोषण उनके ननिहाल बनरसिया (देवदह) और महाराजगंज में हुआ, जिसकी पहचान भी पुरातत्व विभाग द्वारा हो चुकी है ।

भगवान बुद्ध के निर्वाण के बाद उनके अस्थि अवशेषों को आठ भागों में बांटा गया, जिसका एक भाग स्थानीय शासकों कोलियों ने, जिसकी राजधानी रामग्राम हमारे क्षेत्र महाराजगंज में है, वहाँ उन्होंने एक विशाल स्तूप बनवाया, जिसे कुषाण काल में ईटों का बनवाया गया था ।

कन्हैया-बाबा-का-स्थान (रामग्राम) के संदर्भ में यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि स्तूप के अतिरिक्त इस क्षेत्र में अन्य प्राचीन अवशेष जैसे गुप्त व कुषाण कालीन मिट्टी के बर्तन और तांबे के सिक्के इत्यादि भी प्राप्त हुए हैं । महाराजगंज के पुरातात्विक गजेटियर के अनुसार यहाँ एक प्राचीन शहर के निशान भी मिले हैं, जो मुख्य रूप से गुप्त काल के हैं ।

इस संदर्भ में मुझे दृढ़ विश्वास है कि आगे के सर्वेक्षण बहुत महत्वपूर्ण होंगे ।

कन्हैया बाबा के स्थान पर ईटों द्वारा निर्मित विशाल स्तूप को पुरातत्व विभाग द्वारा महत्वपूर्ण माना जा चुका है ।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि एएसआई से इस स्तूप का उत्खनन कराने की कृपा करें ताकि विश्व के पर्यटन मानचित्र पर रामग्राम को स्थापित किया जा सके । इससे जनपद के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय विकास को भी गति मिलेगी ।